Scanned with CamScanner

दोनों चित्रों में से किस चित्र में स्त्री अधिक सुन्दर और सुसज्जित लग रही है और क्यों ?

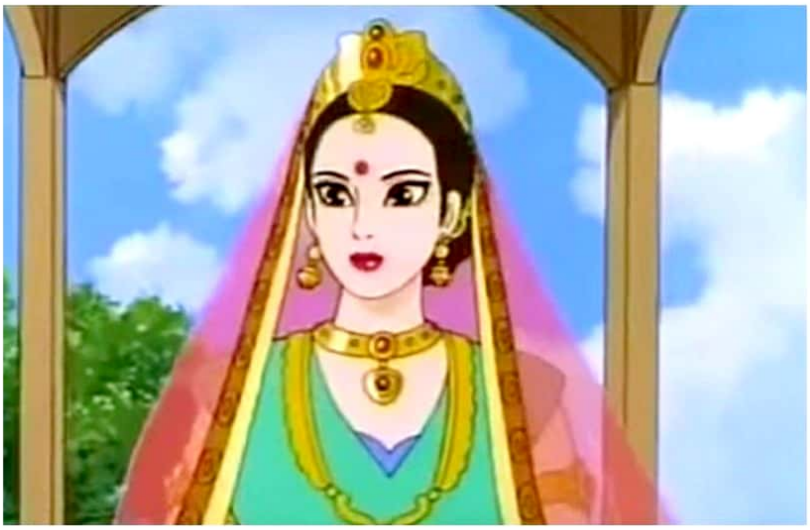

Scanned with CamScanner

अलंकार का अर्थ

अलंकार का शाब्दिक अर्थ है - **आभूषण या गहना**

अलंकार शब्द संस्कृत के दो शब्दों से मिलकर बना है- **अलम + कार**

अलम का अर्थ है- **भूषण या गहने**

'कार' का अर्थ है - **सुसज्जित करने वाला**

Scanned with CamScanner

अलंकार की परिभाषा

वे शब्द या अर्थ जो काव्य की शोभा बढ़ाते हैं उन्हें अलंकार कहते हैं।

जिस प्रकार सामान्य जीवन में हर मनुष्य स्वयं को सुन्दर दिखाने के लिए गहनों का प्रयोग करता है उसी प्रकार साहित्य में अभिव्यक्ति को अधिक प्रभावी, सुन्दर व चमत्कारिक बनाने के लिए अलंकारों का प्रयोग किया जाता है .

Scanned with CamScanner

अलंकार के भेद

अलंकार के मुख्यतः दो भेद होते हैं :

- **शब्दालंकार**
- **अर्थालंकार**

Scanned with CamScanner

शब्दालंकार

जो अलंकार शब्दों के माध्यम से काव्यों को अलंकृत करते हैं, वे शब्दालंकार कहलाते हैं। यानि किसी काव्य में कोई विशेष शब्द रखने से सौन्दर्य आए और कोई पर्यायवाची शब्द रखने से लुप्त हो जाये तो यह शब्दालंकार कहलाता है।

- **शब्दालंकार के भेद:**
- **अनुप्रास अलंकार**
- **यमक अलंकार**

Scanned with CamScanner

अर्थालंकार

- जब किसी वाक्य का सौन्दर्य उसके अर्थ पर आधारित होता है तब यह अर्थालंकार के अंतर्गत आता है ।

- **अर्थालंकार के भेद**

1 उपमा अलंकार
2 रूपक अलंकार
3 अतिशयोक्ति अलंकार
4 मानवीकरण अलंकार

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

अनुप्रास अलंकार

जब किसी काव्य को सुंदर बनाने के लिए किसी वर्ण की बार-बार आवृति हो तो वह अनुप्रास अलंकार कहलाता है। किसी विशेष वर्ण की आवृति से वाक्य सुनने में सुंदर लगता है। **जैसे :**

'चारु चन्द्र की चंचल किरणें खेल रही थी जल थल मे'

- ऊपर दिये गए उदाहरण में आप देख सकते हैं कि **'च'** वर्ण की आवृति हो रही है और आवृति हों से वाक्य का सौन्दर्य बढ़ रहा है। अतः यह अनुप्रास अलंकार का उदाहरण होगा।

Scanned with CamScanner

अनुप्रास अलंकार के उदाहरण

- मुदित महीपति मंदिर आए। सेवक सचिव सुमंत्र बुलाए।
- बंदउँ गुरु पद पदुम परागा,
  सुरुचि सुवास सरस अनुरागा।
- रघुपति राघव राजा राम
- पतित पावन सीता राम
- जो खग हौं बसेरो करौं मिल,
  कालिन्दी कूल कदम्ब की डारन।
- कंकन किंकिन नूपुर धुनि सुनि।
  कहत लखन सन राम हृदय गुनि।।
- **तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाये**

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

यमक अलंकार की परिभाषा

- जब कविता में एक ही शब्द दो या दो से अधिक बार आए और उसका अर्थ हर बार भिन्न-भिन्न हो वहां पर यमक अलंकार होता है।

- **काली घटा का घमंड घटा**

उपर्युक्त काव्य पंक्ति में काली घटा का घमंड घट गया है। "घटा" शब्द के दो विभिन्न अर्थ है- घटा= काले बादल और घटा= कम हो गया। घटा शब्द ने इस पंकित में सौंदर्य उतपन्न कर दिया है। इसलिए यहां पर यमक अलंकार होगा।

Scanned with CamScanner

यमक अलंकार के उदाहरण

- **कहै कवि बेनी, बेनी व्याल की चुराई लीनी।**

पंक्ति में बेनी शब्द की आवृत्ति दो बार हुयी है।पहली बार प्रयुक्त शब्द "बेनी" कवि का नाम है तथा दूसरी बार प्रयुक्त "बेनी" का अर्थ है **"चोटी"**

- **रति रति सोभा सब रति के शरीर की।**

"रति -रति" शब्द तीन बार प्रयुक्त हुआ है। पहली बार प्रयुक्त "रति रति" का अर्थ है "रत्ती"के समीप जरा जरा सी और दूसरे स्थान पर प्रयुक्त "रति" का अर्थ है- कामदेव की परम सुंदर पत्नी "रति" इस प्रकार बेनी और रति शब्दों की आवृत्ति में चमत्कार उत्पन्न किया गया है

Scanned with CamScanner

यमक अलंकार के उदाहरण

- कनक कनक ते सौगुनी, मादकता अधिकाय।
  वा खाए बौराए जग, या पाए बौराय।।

  'कनक' शब्द की दो बार आवृत्ति हुई है. पहले 'कनक' का अर्थ है 'धतूरा' और दूसरे 'कनक' का अर्थ है 'सोना'

- माला फेरत जुग गया, फिरा न मन का फेर।
  कर का मनका डारि दे, मन का मनका फेर।
  मनका ' शब्द की दो बार आवृत्ति हुई है. पहले 'मन का ' का अर्थ है 'हृदय ' और दूसरे 'मनका ' का अर्थ है 'मोती '

- तीन बेर खाती थीं ते तीन बेर खाती हैं।
  'बेर ' शब्द की दो बार आवृत्ति हुई है. पहले 'बेर ' का अर्थ है 'एक फल ' और दूसरे 'बेर ' का अर्थ है '३ बार

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

उपमा अलंकार

- **उपमा'** का अर्थ है - दो असमान वस्तुओं या व्यक्तियों की तुलना कर उनमें कुछ समान दिखाना। जहाँ रूप,रंग,गुण आदि के आधार पर दो वस्तुओं या व्यक्तियों की तुलना की जाती है वहाँ उपमा अलंकार होता है।

- **उपमा के अंग**

१ **उपमेय** - जिसकी तुलना की जाए।

२ **उपमान** - जिससे तुलना की जाए

३ **साधारण धर्म-** समान गुण या विशेषता

४ **वाचक शब्द** - जिन शब्दों की सहायता से उपमा अलंकार की पहचान होती है सा, सी, तुल्य, सम, जैसा, ज्यों, सरिस, के समान आदि शब्द वाचक शब्द कहलाते हैं।

Scanned with CamScanner

उपमा अलंकार के उदाहरण

- **कर कमल-सा कोमल हैं।**

ऊपर दिए गए उदाहरण में कर अर्थात हाथ को कमल के सामान कोमल बताया गया है। इस उदाहरण में **'कर'-उपमेय** है, **'कमल' – उपमान** है, **कोमल – साधारण धर्म** है एवं **सा – वाचक शब्द** है।

- **नील गगन-सा शांत हृदय था रो रहा।**

ऊपर दिए गए उदाहरण में हृदय की नील गगन से तुलना की गयी है। इस वाक्य में **हृदय – उपमेय** है एवं **नील गगन – उपमान** है **शांत – साधारण धर्म** है एवं **सा – वाचक शब्द** है।

Scanned with CamScanner

उपमा अलंकार के उदाहरण

- **पीपर पात सरिस मन डोला ।**

ऊपर दिए गए उदाहरण में मन को पीपल के पत्ते की तरह हिलता हुआ बताया जा रहा है। इस उदाहरण में **'मन' – उपमेय** है, '**पीपर पात' – उपमान** है, '**डोला' – साधारण धर्म** है एवं '**सरिस**' अर्थात **'के सामान' – वाचक शब्द** है।

- **हाय फूल सी कोमल बच्ची**
- ऊपर दिए गए उदाहरण में बच्ची को फूल की तरह कोमल बताया जा रहा है। इस उदाहरण में '**बच्ची ' – उपमेय है, 'फूल ' – उपमान है, 'कोमल ' – साधारण धर्म है एवं 'सी ' – वाचक शब्द है।**

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

रूपक अलंकार

- जब गुण की अत्यंत समानता के कारण उपमेय को ही उपमान बता दिया जाए यानी उपमेय ओर उपमान में अभिन्नता दर्शायी जाए तब वह रूपक अलंकार कहलाता है।रूपक अलंकार में उपमान और उपमेय में कोई अंतर नहीं दिखायी पड़ता है।

- **"मैया मैं तो चन्द्र-खिलौना लैहों"**

ऊपर दिए गए उदाहरण में चन्द्रमा एवं खिलोने में समानता न दिखाकर चाँद को ही खिलौना बोल दिया गया है। अतएव यह रूपक अलंकार होगा।

Scanned with CamScanner

रूपक अलंकार के अन्य उदाहरण:

- **चरण-कमल बंदौं हरिराई।**

ऊपर दिए गए गए वाक्य में चरणों को कमल के सामान न दिखाकर चरणों को ही कमल बोल दिया गया है। अतः यह रूपक अलंकार के अंतर्गत आएगा।

- **शशि-मुख पर घूँघट डाले अंचल में दीप छिपाये।**
- ऊपर दिए गए उदाहरण में जैसा आप देख सकते हैं कि **मुख(उपमेय)** पर **शशि यानी चन्द्रमा(उपमान)** का आरोप है। अतः यह उदाहरण रूपक अलंकार के अंतर्गत आएगा।

Scanned with CamScanner

रूपक अलंकार के अन्य उदाहरण:

- मन-सागर, मनसा-लहरि, **बूड़े-बहे अनेक।**

ऊपर दिए गए उदाहरण में **मन(उपमेय)** पर **सागर(उपमान)** का एवं **मनसा यानी इच्छा(उपमेय)** पर **लहर(उपमान)** का आरोप है। यहां उपमान एवं उपमेय में अभिन्नता दर्शायी जा रही है। अतः यह उदाहरण रूपक अलंकार के अंतर्गत आएगा।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

अतिशयोक्ति अलंकार

- अतिशयोक्ति' शब्द दो शब्दों की संधि से बना है 'अतिशय' अर्थात 'बढ़ा-चढ़ा कर ' और 'उक्ति' अर्थात 'बात'। अतः अतिशयोक्ति का अर्थ हुआ बढ़ा-चढ़ा कर कही गयी बात। जहां किसी वस्तु पदार्थ अथवा कथन (उपमेय)का वर्णन लोक सीमा से बढ़कर प्रस्तुत किया जाए, वहां अतिशयोक्ति अलंकार होता है। **जैसे :**

- **आगे नदियाँ पड़ी अपार, घोडा कैसे उतरे पार।**
  राणा ने सोचा इस पार , तब तक चेतक था उस पार।

ऊपर दिए गए उदाहरण में चेतक की शक्तियों व स्फूर्ति का बहुत बढ़ा-चढ़ाकर वर्णन किया गया है। अतएव यहाँ पर अतिशयोक्ति अलंकार होगा।

Scanned with CamScanner

अतिशयोक्ति अलंकार के उदाहरण :

- हनुमान की पूंछ में लगन न पाई आग,
  लंका सिगरी जल गई गए निशाचर भाग।

ऊपर दिए गए उदाहरण में कहा गया है कि अभी हनुमान की पूंछ में आग लगने से पहले ही पूरी लंका जलकर राख हो गयी और सारे राक्षस भाग खड़े हुए यह बात बिलकुल असंभव है एवं लोक सीमा से बढ़ाकर वर्णन किया गया है। अतः यह उदाहरण अतिशयोक्ति अलंकार के अंतर्गत आएगा।

Scanned with CamScanner

अतिशयोक्ति अलंकार के उदाहरण

- **देख लो साकेत नगरी है यही।**
  स्वर्ग से मिलने गगन में जा रही।

यहाँ एक नगरी की सुंदरता का वर्णन किया जा रहा है। यह वर्णन बहुत ही बढ़ा चढ़कर किया जा रहा है।

- **धनुष उठाया ज्यों ही उसने, और चढ़ाया उस पर बाण**
  धरा–सिन्धु नभ काँपे सहसा, विकल हुए जीवों के प्राण।

ऊपर दिए गए वाक्यों में बताया गया है कि जैसे ही अर्जुन ने धनुष उठाया और उस पर बाण चढ़ाया तभी धरती, आसमान एवं नदियाँ कांपने लगी ओर सभी जीवों के प्राण निकलने को हो गए।

यह बात बिलकुल असंभव है .अतः यह उदाहरण अतिशयोक्ति अलंकार के अंतर्गत आएगा।

Scanned with CamScanner

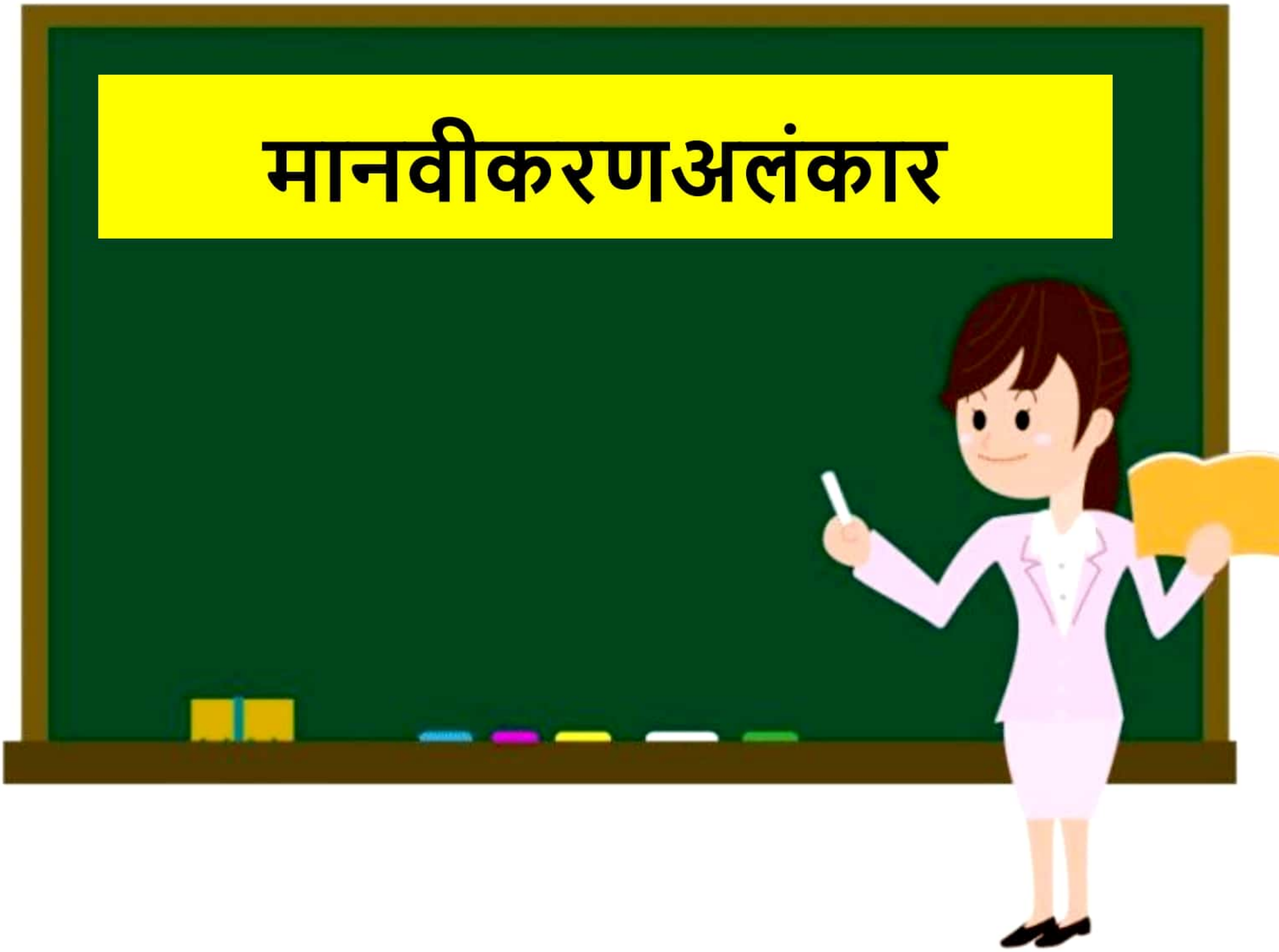

Scanned with CamScanner

मानवीकरणअलंकार

- जब प्राकृतिक वस्तुओं कैसे पेड़,पौधे बादल आदि में मानवीय भावनाओं का वर्णन हो यानी निर्जीव चीज़ों में सजीव होना दर्शाया जाए तब वहाँ मानवीकरण अलंकार आता है। **जैसे:**

- **फूल हँसे कलियाँ मुसकाई।**

ऊपर दिए गए उदाहरण में फूल हँस रहे हैं एवं कलियाँ मुस्कुरा रही हैं। हँसने एवं मुस्कुराने की क्रियाएँ केवल मनुष्य ही कर सकते हैं प्राकृतिक चीज़ें नहीं।

Scanned with CamScanner

मानवीकरण अलंकार के उदाहरण:

- **कलियाँ दरवाज़े खोल खोल जब झुरमुट में मुस्काती हैं।**

उदाहरण में कलियों को दरवाज़े खोल खोल कर झुरमुट में मुस्कुराते हुए वर्णित किया गया है।

- **मेघ आये बड़े बन-ठन के संवर के।**

ऊपर के उदाहरण में दिया गया है कि बादल बड़े सज कर आये लेकिन ये सब क्रियाएँ तो मनुष्य कि होती हैं न कि बादलों की।

- **मेघमय आसमान से उतर रही है संध्या सुन्दरी परी सी धीरे धीरे धीरे।**

ऊपर दी गयी पंक्तियों में बताया गया है कि संध्या सुन्दर परी की तरह धीरे धीरे आसमान से नीचे उतर रही है।

Scanned with CamScanner

धन्यवाद

रचना सिंह पवार

Scanned with CamScanner